Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding implementation of Kisan Samman Nidhi in Chattisgarh

श्री संतोष पान्डेय (राजनंदगाँव): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

वास्तव में, माननीय नरेन्द्र मोदी जी की सरकार द्वारा किसानों की, अन्नदाता की चिन्ता करते हुए महत्वाकांक्षी 'किसान सम्मान निधि' योजना लाई गई । छत्तीसगढ़ में प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने आरोप लगाए और एक प्रकार से वहाँ 'उलटा चोर कोतवाल को डाँटे' जैसी स्थिति है । प्रदेश सरकार आर्थिक सहायता में अड़ंगे लगा रही है । राजस्व विभाग के पटवारी द्वारा किसानों के दस्तावेज़, बैंक दस्तावेज़, आधार कार्ड के साथ घोषणा पत्र भरवाकर कृषि विभाग में जमा किया जाना था । लेकिन लापरवाही पूर्वक उनके आधार कार्ड, बैंक के आइएफएससी कोड और खाता क्रमांक में त्रुटि की गई । एक बार पोर्टल में इंदराज करने के बाद किसानों से संबंधित जानकारी के सुधार आदि का पासवर्ड पटवारी के पास होता है । उसे सुधरवाने के लिए किसान आवेदन दे-देकर थक गए । कांग्रेस सरकार किसानों से ... * कर रही है । इस प्रकार से, शासन की लचरता ही नहीं, बल्कि साज़िश के साथ उन्हें वंचित किया गया है । तत्संबंधी, पात्र किसानों का ऑनलाइन रिकॉर्ड दुरुस्तीकरण हेतु मेरे द्वारा लिखित में भी पत्र दिया गया था, जिसमें किसानों के नामज़द आवेदन को संलग्न किया गया था । लेकिन पत्र पर कार्रवाई तो दूर पत्रोत्तर भी आज तक अप्राप्त है । शासन की उदासीनता से किसानों में आक्रोश और असंतोष है ।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि इस बनावटी और कृत्रिम समस्या को दूर करवाएँ ।

माननीय अध्यक्ष: श्री सुधीर गुप्ता, श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल और श्री रविंद्र श्यामनारायण उर्फ रवि किशन को श्री संतोष पान्डेय द्वारा उठाए गए विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।